Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

Viksit Bharat Buildathon 2025

आत्मनिर्भर भारत का आह्वान, विकसित भारत का निर्माण

23 सितंबर 2025

लोकार्पण

श्री धर्मेन्द्र प्रधान

माननीय शिक्षा मंत्री

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

विकसित भारत बिल्डथॉन 2025

- शिक्षा मंत्रालय एवं अटल नवाचार मिशन की संयुक्त पहल
- हमारा उद्देश्य है कि देश के सभी विद्यालयों की कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों तक पहुँचा जाए तथा प्रत्येक छात्र को विकसित भारत @2047 के लिए विचार-निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया जाए।
- विचार-निर्माण चार प्रमुख विषयों पर आधारित होगा— आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत।

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

बिल्डथॉन के प्रमुख विषय

आत्मनिर्भर भारत

स्वावलंबी प्रणाली, उपकरण और समाधान विकसित करना।

स्वदेशी

देशज विचारों, ज्ञान प्रणालियों और नवाचार को प्रोत्साहित करना।

वोकल फॉर लोकल

स्थानीय उत्पादों और संसाधनों को बढ़ावा देना।

समृद्ध भारत

समृद्धि और सतत विकास के मार्ग स्थापित करना।

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

Viksit Bharat Buildathon 2025

120 मिनट की लाइव इनोवेशन (नवोन्मेष) सत्र के लिए हमसे जुड़ें

सुबह 10:00 बजे – दोपहर 12:00 बजे

अक्टूबर 2025

रविवार	सोमवार	मंगलवार
12	13	14

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

बिल्डाथॉन की समयरेखा

लोकार्पण
23 सितम्बर
माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा लोकार्पण

पंजीकरण
23 सितम्बर – 6 अक्टूबर
पोर्टल पर पंजीकरण करें

पूर्व-कार्यक्रम
6 अक्टूबर – 13 अक्टूबर
पूर्व-कार्यक्रम की तैयारियाँ

कार्यक्रम दिवस
13 अक्टूबर
लाइव समन्वित नवाचार कार्यक्रम

प्रस्तुति (सबमिशन)
13 अक्टूबर – 31 अक्टूबर
पोर्टल पर प्रविष्टियों का सबमिशन

मूल्यांकन
1 नवम्बर – 31 दिसम्बर
विशेषज्ञ समिति द्वारा प्रविष्टियों का मूल्यांकन

परिणाम
जनवरी 2026
सर्वोत्तम 1000 से अधिक विजेताओं की घोषणा एवं सम्मान समारोह

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

बिल्डाथॉन पुरस्कार

पुरस्कार राशि:
₹1 करोड़

- राष्ट्रीय स्तर: 10 विजेता
- राज्य स्तर: 100 विजेता
- जिला स्तर: 1,000 विजेता

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

परियोजनाओं का प्रस्तुतिकरण

- परियोजनाएँ निम्न दो श्रेणियों में प्रस्तुत की जा सकती हैं:
- प्रस्तुति की श्रेणियाँ
  - विचार प्रस्तुति – छात्र अपने विचारों पर छोटे वीडियो प्रस्तुत करेंगे, जो चारों विषयों में से किसी एक पर आधारित हों।
  - आदिरूप प्रस्तुति – छात्र चारों विषयों में से किसी एक पर विकसित किए गए आदिरूप की वीडियो प्रस्तुत करेंगे।

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

मूल्यांकन प्रक्रिया

(2 श्रेणियाँ – विचार और आदिरूप)

- प्रस्तुतियाँ विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन की जाएंगी।
- राज्यों को जिला और राज्य स्तर पर विशेषज्ञ समिति गठित करनी होगी, जो प्रस्तुत की गई प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगी।
- विशेषज्ञ समिति में शिक्षक, उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रोफेसर, उद्योग पेशेवर, स्टार्टअप, इनक्यूबेशन केंद्र और मेंटर्स शामिल होंगे।

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

मूल्यांकन मापदंड

प्रत्येक प्रस्तुति का मूल्यांकन निम्नलिखित आधारों पर किया जाएगा:

- विचार की नवीनता एवं मौलिकता
- विस्तार क्षमता एवं व्यापक स्वीकृति की संभावना
- सततता एवं दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव
- वास्तविक परिस्थितियों में क्रियान्वयन की व्यवहार्यता
- चार राष्ट्रीय विषयों के साथ सुसंगतता

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

प्रक्रिया की कार्यप्रणाली

छात्र अपने विचार/परियोजनाएँ पोर्टल पर प्रस्तुत करते हैं।

→ जिला स्तर पर मूल्यांकन।

(प्रत्येक जिले से सर्वोत्तम 2 से 5 टीमें)

→ राज्य स्तर पर मूल्यांकन।

(प्रत्येक राज्य से सर्वोत्तम 4 से 10 टीमें)

→ राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन।

→ सर्वोत्तम टीमों की घोषणा।

राष्ट्रीय स्तर: 10 विजेता

राज्य स्तर: 100 विजेता

जिला स्तर: 1,000 विजेता

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

राज्यों की भूमिका

- **राज्य नोडल अधिकारी का नामांकन** – राज्य परियोजना निदेशक को शिक्षा मंत्रालय और अटल नवाचार मिशन के साथ मुख्य संपर्क अधिकारी के रूप में नामित करें। इसके साथ ही, कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए जिला और ब्लॉक नोडल अधिकारियों का भी नामांकन करें।
- **मूल्यांकन** – प्रस्तुत प्रविष्टियों के मूल्यांकन के लिए जिला और राज्य स्तर पर विशेषज्ञ समिति गठित करें।
- **विद्यालयों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना** – सभी विद्यालयों (सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी; प्रगतिशील प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाएँ (ATL) वाले और बिना प्रयोगशालाएँ(non-ATL) वाले स्कूल) की भागीदारी सुनिश्चित करें।
- **जागरूकता और प्रचार** – राज्य शिक्षा पोर्टल, स्थानीय मीडिया, क्षेत्रीय प्रभावशाली व्यक्तियों और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से प्रचार-प्रसार बढ़ाएँ। भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए जिला स्तर का पहुंच अभियान क्रियान्वित करें।
- **स्थानीय उपस्थिति** – वरिष्ठ राज्य अधिकारी स्कूलों का दौरा कर छात्रों और शिक्षकों में उत्साह व भागीदारी बढ़ाएँ।
- **उद्योग-शिक्षा संस्थान सहयोग** – उच्च शिक्षा संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों को निर्देश दें कि वे आसपास के स्कूलों में स्वयंसेवक भेजें, ताकि भागीदारी सुगम और मार्गदर्शित हो सके।

Government of India
Ministry of Education
ATAL INNOVATION MISSION

जिलों की भूमिका

- **विद्यालयों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना** – सभी विद्यालयों (सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी; प्रगतिशील प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाएँ (ATL) वाले और बिना प्रयोगशालाएँ(non-ATL) वाले स्कूल) को अधिसूचना भेजें ताकि अधिकतम पंजीकरण और प्रस्तुतियाँ सुनिश्चित हो सकें।
- **जिला/ब्लॉक स्तर की सहभागिता** – जिलाधिकारी/जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (BEO) जिले के सभी स्कूलों में भागीदारी की निगरानी करें।
- **जागरूकता एवं प्रचार** – राज्य शिक्षा पोर्टल, स्थानीय मीडिया, क्षेत्रीय प्रभावशाली व्यक्तियों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचार-प्रसार बढ़ाएँ। भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु जिला स्तर पर अभियान चलाएँ, जैसे कि 06.10.2025 को एक व्यापक ऑफ़लाइन पंजीकरण दिवस आयोजित करना।
- **सामुदायिक सहभागिता** – क्लस्टर और ब्लॉक संसाधन केंद्र (CRC/BRC) के अधिकारियों को प्रोत्साहित करें कि वे स्कूल स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करें, ताकि छात्रों की भागीदारी बढ़े और इसका व्यापक प्रभाव हो।
- **उद्योग-शिक्षा संस्थान सहयोग** – उच्च शिक्षा संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों को निर्देश दें कि वे आसपास के स्कूलों में स्वयंसेवक भेजें, ताकि भागीदारी सुगम और मार्गदर्शित हो सके।

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों की भूमिका

- **भागीदारी को प्रोत्साहित करना :** कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों में बिल्डाथॉन के प्रति सक्रिय रूप से जागरूकता और उत्साह बढ़ाएँ।
- **पंजीकरण में सुविधा प्रदान करना :** सुनिश्चित करें कि सभी टीमें आधिकारिक पोर्टल पर नियत समय सीमा तक पंजीकृत हों।
- **सुविधाएँ उपलब्ध कराना :** टीमों को परियोजनाएँ तैयार और विकसित करने के लिए अनुकूल वातावरण जैसे प्रयोगशाला और कक्षा प्रदान करें।
- **प्रस्तुतियों का प्रबंधन :** छात्रों को उनके अंतिम प्रस्तुतियाँ (विचार/आदिरूप) अपलोड करने में मार्गदर्शन दें।
- **प्रचार एवं जागरूकता :** अंतिम दिन से पहले छात्रों में उत्साह और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करें, जिसमें बिल्डाथॉन के चार विषयों (आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत) के आधार पर स्कूल में 4 क्लबों की स्थापना, जिंगल और क्विज़ जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन, बिल्डाथॉन पोस्टरों का प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शन, इवेंट ब्रांडेड सामग्री का उपयोग जैसे प्रिंटेड टी-शर्ट और छात्रों के लिए उद्योग विशेषज्ञों द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन शामिल हैं।
- **स्कूल में पोस्टर का प्रदर्शन :** QR कोड वाले पोस्टर को स्कूल के प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करें।
- **गीतांक(जिंगल) और लोगो का प्रचार :** गीतांक(जिंगल) और लोगो को माता-पिता, शिक्षकों और स्कूलों तक व्यापक रूप से पहुँचाएँ और सुनिश्चित करें कि गीतांक(जिंगल) स्कूल में नियमित रूप से बजाया जाए।

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

शिक्षकों की भूमिका

- **छात्र दल का मार्गदर्शन करें :** विचार-निर्माण, समस्या-समाधान और आदिरूप विकास की प्रक्रिया में छात्रों को परामर्श और सहयोग प्रदान करें।
- **पंजीकरण एवं प्रस्तुति में सहायता करें :** छात्रों को पोर्टल पर पंजीकरण तथा प्रविष्टि (विचार/आदिरूप) प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में मदद करें।
- **विषयों की व्याख्या करें :** सुनिश्चित करें कि छात्र अपने प्रोजेक्ट्स को बिल्डाथॉन के चार मुख्य विषयों—वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी और समृद्ध भारत के अनुरूप समझें और विकसित करें।
- **सामूहिक कार्य को बढ़ावा दें :** प्रभावी दल-निर्माण के लिए सहयोगात्मक वातावरण तैयार करें।

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

छात्रों की भूमिका

- **दल का गठन करें :** कक्षा 6 से 12 तक के 5–7 सदस्यों का दल बनाकर भाग लें।
- **नवाचार करें :** वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान हेतु रचनात्मक विचार उत्पन्न करें और उन्हें विकसित करें।
- **आदिरूप तैयार करें** – अपने विचार को साकार करने के लिए मिलकर भौतिक या डिजिटल आदिरूप बनाएँ।
- **वीडियो तैयार कर प्रस्तुत करें :** अपने प्रोजेक्ट (विचार या आदिरूप) को प्रदर्शित करते हुए 2 मिनट से कम अवधि का संक्षिप्त वीडियो बनाएँ और उसे पोर्टल पर प्रस्तुत करें।

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

हेल्पलाइन

ईमेल: vbb.mic@aicte-india.org

Government of India
Ministry of Education

ATAL INNOVATION MISSION

अभी पंजीकरण करें!